Lead Bank Scheme

क्षेत्रीय विचार धारा को व्यवहार में लाने के उद्देश्य से भारतीय रिजर्व बैंक ने दिसम्बर, 1969 में 'Lead Bank Scheme' प्रारम्भ की थी। इस योजना का उद्देश्य ग्रेर बैंकीकृत क्षेत्र को बैंकिंग सुविधाएँ प्रदान करना था। इस समय यह योजना देश के सभी जिलों में लागू है।

लीड बैंकों के उद्देश्य :- लीड बैंक उन जिलों का सर्वेक्षण करते हैं जो उन्हें आवण्टित किए जाते हैं। इन सर्वेक्षणों का उद्देश्य जिलों में साख की आवश्यकताओं का पता लगाना है। जिनका विकास होना चाहिए। प्रत्येक लीड बैंक को निर्धारित जिले की आवश्यकताओं का पता लगाना और ऐसे केन्द्रों का पता लगाना है जहाँ आर्थिक विकास की प्रक्रिया को तीव्र करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होती है। लीड बैंकों के प्रमुख उद्देश्य निम्नांकित है :→

(i) बैंकों की शाखाओं के विस्तार के लिए उपयुक्त क्षेत्रों की पहचान करना।

(ii) समस्त क्षेत्र को बैंकिंग सुविधाएँ प्रदान करने के उद्देश्य से बैंक शाखाओं के विस्तार का एक निश्चित कार्यक्रम तैयार करना।

(iii) स्थानीय उद्यमियों को लघु उद्योग तथा कृषि विकास की योजनाओं में सम्मिलित करने के

Scanned with CamScanner

उद्देश्य से सम्भावित क्षेत्रों का पता लगाना।

(iv) जिले की विकास में आनेवाली बाधाओं का अनुमान लगाना और उन्हें दूर करने के लिए उपयुक्त एजेंसियों की स्थापना करना।

(v) ऐसी विभिन्न योजनाओं का परीक्षण करना जो कि संसाधन के संघटन तथा स्थानीय लोगों को निवेश के लिए प्रेरित कर सकें।

Lead Bank एक महत्वपूर्ण कड़ी है जो कि जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों को जोड़ती है। आर्थिक नियोजन की प्रक्रिया को गतिशील बनाने के लिए यह आवश्यक समझा गया कि जिला स्तर पर विकास प्रारम्भ हो। बैंकिंग संस्थाओं के विकास के लिए जो क्षेत्रीय विचार धारा अपनायी गयी है उसमें जिले को महत्व दिया गया है।

लीड बैंक योजना उस देश के सभी जिलों में क्रियाशील है। भारतीय रिजर्व बैंक ने कार्यकारी दल की सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए जिला परामर्शदायी समितियों का गठन किया है जिसमें लीड बैंक अधिकारियों, रिजर्व बैंक के लीड जिला अधिकारियों एवं जिला समन्वयकताओं को व्यापक अधिकार सौंपे गए हैं। लीड बैंक योजना को प्रभावशाली ढंग से लागू करने के लिए बैंक अधिकारियों और राज्य कर्मचारियों के संयुक्त प्रशिक्षण।

Scanned with CamScanner

की व्यवस्था की गई है। इस संदर्भ में श्री एफ० के० एफ० बरीमन की अध्यक्षता में गठित समिति के अनुसार भारत के 333 जिलों को 17 बैंकों में विभक्त किया गया है। वर्तमान में लीड बैंक योजना 472 जिलों में लागू है जिसका उत्तरदायित्व राष्ट्रीयकृत बैंकों तथा गैर राष्ट्रीयकृत बैंकों, जम्मू एवं काश्मीर बैंक तथा बैंक ऑफ राजस्थान पर है।

समाप्त

Scanned with CamScanner